Raj Express (Indore), 30th March 2026, Page- 04

हर साल 75 लाख की बिजली लागत बचत करेगा आईआईटी

आज रखी जाएगी आधारशिला, अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं का करेंगे उद्घाटन

इंदौर / राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर सोमवार, 30 मार्च को अपने शैक्षणिक और शोध उत्कृष्टता की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने जा रहा है। संस्थान परिसर में कई प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं के शिलांयास और अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं का उद्घाटन किया जाएगा। आईआईटी इंदौर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. के. शिवन कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। वह सोलर पार्क और नए केंद्रीय विद्यालय (केवी) भवन की आधारशिला रखेंगे व सीजीएस एडवांस्ड रिसर्च कॉम्प्लेक्स और एआरवीआर लैब का उद्घाटन करेंगे, जिससे संस्थान की नवाचार, सतत् विकास और अंतः विषय अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता ओर मजबूत होगी। इस दौरान 21, 662 वर्ग फुट में फैली एक अत्याधुनिक सुविधा जिसमें 10 प्रयोगशाला, 24 फैकल्टी कक्ष और 96 छात्र कार्यस्थल, 3.15 एकड़ में सोलर प्लांट जो हर साल 75 लाख की बिजली लागत बचत करेगा सहित अन्य परियोजना शामिल हैं।

सीजीएस एडवांस्ड रिसर्च कॉम्प्लेक्स, जिसे प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिकों डॉ. बिभा चौधरी, डॉ. रोहिणी गोडबोले और डॉ. कमला सोहोनी को समर्पित किया गया है। 21,662 वर्ग फुट क्षेत्र में फैली एक अत्याधुनिक सुविधा है। इसमें 10 उन्नत प्रयोगशालाएं, 24 फैकल्टी कक्ष और 96 छात्र कार्यस्थल शामिल हैं। आधुनिक संरचना, जैसे पफपैनल रूफिंग और एयर-कंडीशनिंग सिस्टम से सुसज्जित यह परिसर उच्चस्तरीय वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए अनुकूल परिवेश प्रदान करेगा। इस परियोजना की लागत लगभग 11.8 करोड़ रुपए है।

25 वर्षों के लिए 3.04 रुपए प्रति यूनिट की दर : सतत् विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, आईआईटी इंदौर 1 मेगावाट (1000 किलोवाट) की भूमि-आधारित सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करेगा। यह परियोजना रेस्को मॉडल के तहत एसईसीआई के माध्यम से, जो कि भारत सरकार के नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है, विकसित की जाएगी।

लगभग 3.15 एकड़ में फैला यह सोलर प्लांट प्रति वर्ष लगभग 75 लाख रुपए की बिजली लागत बचत करेगा, जिसमें 25 वर्षों के लिए 3.04 रुपए प्रति यूनिट की निश्चित दर निर्धारित की गई है।

केन्द्रीय विद्यालय परियोजना की लागत 26.54 करोड़

कार्यक्रम में केन्द्रीय विद्यालय के एक नए भवन की आधारशिला भी रखी जाएगी। यह जी प्लस 2 संरचना होगी, जिसका कुल निर्मित क्षेत्र 63,840 वर्ग फुट होगा। केन्द्रीय विद्यालय संगठन के मानकों के अनुरूप निर्मित इस भवन में 24 कक्षाएं और पूर्ण शैक्षणिक, प्रशासनिक व सहायक सुविधाएं होंगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 26.54 करोड़ रुपए है।

30 लाख की लागत से स्थापित 'इनोवेशन लैब-स्वास्थ्य एक्सआर'

एक अन्य महत्वपूर्ण पहल के तहत, आईआईटीआई दृष्टि (डिजिटल हेल्थकेयर के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क) के ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) इनोवेशन लैब ङ्क स्वास्थ्य एक्सआर का उद्घाटन किया जाएगा। लगभग 30 लाख रुपए की लागत से स्थापित यह लैब एचटीसी वीआईवीई प्रो, माइक्रोसॉफ्ट होलोलेंस 2, मेटा क्वेस्ट 3, मेटा क्वेस्ट प्रो और स्पेटिअल रिअलिटी डिस्प्ले जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित है। यह पहल भारत में इमर्सिव हेल्थकेयर समाधानों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस लैब की एक विशेष उपलब्धि के रूप में, ऊंचाई के डर के उपचार के लिए विकसित एआर/वीआर आधारित एप्लिकेशन का सफल तकनीकी हस्तांतरण भी किया जाएगा। यह प्लेटफॉर्म छात्रों और शोधकर्ताओं को वास्तविक स्वास्थ्य चुनौतियों पर काम करने का व्यावहारिक अनुभव देगा, जिससे नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और प्रभावी समाधान विकसित किए जा सकेंगे।

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका

कार्यक्रम में आईआईटी इंदौर के निदेशक, संकाय सदस्य, शोधकर्ता, संस्थान के अधिकारी व एम्स भोपाल के विशेषज्ञ और अन्य अतिथि शामिल होंगे, जो संस्थानों के बीच मजबूत सहयोग को दर्शाता है। इन सभी पहलों के साथ, आईआईटी इंदौर अपनी अवसंरचना को मजबूत करते हुए, सतत् विकास को बढ़ावा देगा और समाज के हित में शोध व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।